सत्यमेव जयते

Rajbhawan Uttarakhand-Information Wing
Press Note-2

Universities must associate with/adopt villages: Governor

Raj Bhawan, Dehradun, 11th January, 2018

Governor Dr.K.K.Paul today visited Singhniwala village at Shishambada which has been adopted by Uttarakhand Technical University. He looked at the work being done by the university there .

Addressing the large number of villagers there , the Governor said that universities had been directed to adopt villages and create awareness and carry on developmental work. This way, knowledge will emerge from educational institutions and be implemented for the development of villages.

He said the experience that the university students would get while working in villages would help develop their personality and be useful in their careers.

He directed the UTU officials present that villagers should be made aware about environment protection, water conservation ,cleanliness .Their sources of livelihood should also be created and enhanced.

The Governor said that a library for the village children should be set up .The university must encourage its students to visit the village once a week and work here .

Padmashri Dr.Anil Joshi said that this initiative of the Governor to link universities to villages would have positive results. Villagers would be benefitted and students of universities would be connected to villages and know their problems.

The Governor planted saplings and also looked at the poultry farm there. He also went around the library of Shivalik College, affiliated to UTU.Present on the occasion was Dr.U.S .Rawat , VC of UTU and Dr.Alaknanda Ashok.

--------0-------

Assistant Director , Rajbhawan Uttarakhand Mob. 7055007012 Tele fax: 0135 - 2756172

विश्वविद्यालय गांवों से जुड़ें, अपने ज्ञान से गांवों को लाभ पहुंचाएंः राज्यपाल

- **राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल ने सिंहनीवाला गांव का भ्रमण किया।**
- **उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय ने सिंहनीवाला गांव को लिया है गोद।**

राजभवन देहरादून 11जनवरी, 2018

गुरूवार को राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल ने देहरादून में शीशमबाड़ा स्थित सिंहनीवाला गांव का भ्रमण कर वहां उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा किए जाने वाले कार्यों का जायजा लिया। राज्यपाल ने बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों को कुछ गांवों को गोद लेकर वहां जनजागरूकता व विकासात्मक कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे उच्च शिक्षण संस्थानों में मौजूद ज्ञान व तकनीक, किताबों से बाहर निकलकर गांवो के विकास में सहायक होगी। इसके साथ ही कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के छात्र–छात्राओं को भी ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने का अनुभव होगा जो कि उनके व्यक्तित्व विकास व कैरियर में उपयोगी होगा।

राज्यपाल ने मौके पर मौजूद उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांव में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता, के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक करने के साथ ही उनकी आजीविका के साधन विकसित करने के लिए भी प्रयास करें। राज्यपाल ने गांव के बच्चों के लिए लाईब्रेरी की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। विश्वविद्यालय अपने छात्रों को प्रेरित करे कि सप्ताह में एक दिन अवश्य गांव में आकर काम करें। लगातार कोशिश करें कि किस तरह से गांव व गांव वालों की स्थिति में सुधार लाया जा सकता है।

पद्मश्री डॉ. अनिल जोशी ने कहा कि राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को गांवों से जोड़ने की जो पहल की है, उसके सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। इससे जहां विश्वविद्यालयों के ज्ञान–विज्ञान से ग्रामीण लाभान्वित होंगे वही हमारे युवा भी गांव की मिट्टी से जुड़ सकेंगे और वहां की समस्याओं से अवगत होंगे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर वृक्षारोपण किया और पॉल्ट्री फार्म का निरीक्षण भी किया। उन्होंने उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध शिवालिक कॉलेज की लाईब्रेरी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. यू.एस.रावत, डॉ.अलकनंदा अशोक भी उपस्थित थे।

----0----

Assistant Director , Rajbhawan Uttarakhand Mob. 7055007012 Tele fax: 0135 - 2756172